

साधुडा बिना नहीं आवडे भजन लिरिक्स



साधुडा बिना नहीं आवडे,
नहीं आवडे रे भई मारा नहीं आवडे,
साधुडा बिना नही आवडे।bd।

एक दिन साधुडा निजर भर निखिया,
एक दिन साधुडा निजर भर निखिया,
निरखत निरखत नेंण ठरे रे,
साधुडा बिना नही आवडे।bd।

सत री संगत मे घणौ रे आनन्द है,
सत री संगत मे घणौ रे आनन्द है,
भर भर प्याला प्रेम पियो रे,
साधुडा बिना नही आवडे।bd।

दादर मोर पपया बोलत है,
दादर मोर पपया बोलत है,
गेरी गीगन मे घोर पड़े,
साधुडा बिना नही आवडे।bd।

दहिडि नगर मे नव दरवाजा,
दहिडि नगर मे नव दरवाजा,
खोजत खोजत खबर पड़े,
साधुडा बिना नही आवडे।bd।

स्वामी डूंगरपूरी चरणों री सेवा,
स्वामी डूंगरपूरी चरणों री सेवा,
दहिडि पाप परा झड़े,
साधुडा बिना नही आवडे।bd।



नहीं आवडे रे भई मारा नहीं आवडे,
साधुड़ा बिना नहीं आवडे।bd।

प्रेषक – मांगीलाल सेन बायतु।
भजन गायक – सुरेश जांगिड़।
बाइमेर 7073648651
